Delhi Public School, Howrah

PRE BOARD 1 (2024-2025)

CLASS - X

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय : हिंदी - अ (002)

अवधि:- 3 घंटे **कुल अंक- 80**

सामान्य निर्देश :-

I. इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

II.चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

III. लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए ।

(खंड-क, अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **7**

आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं। ज़िंदगी की दो सूरतें हैं। एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी यह पाँव पीछे न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं, जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई पड़ती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे ज़िंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते।

साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है।

साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।

झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।

(हिम्मत और ज़िंदगीः रामधारी सिंह 'दिनकर')

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न- **(3X1=3)**

I. "गोधूलि वाली दुनिया के लोगो से अभिप्राय ऐसे लोगों से है जो- ..... ।
उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए ।

(क) विवशता और अभाव में जीते हैं। (ख) जीवन को दाँव पर लगा देते हैं।
(ग) फल की कामना नहीं करते हैं। (घ) जय-पराजय के अनुभव से परे होते हैं।

II. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए।
उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है।

कारण (R) साहसी व्यक्ति लीक से हटकर अपनी आवश्यकता एवं लक्ष्य के अनुरूप मार्ग का अनुसरण करता है, इसके माध्यम से वह लोगों में नई चेतना जगाता है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

III. "साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।" इस कथन के माध्यम से लेखक ..... का संदेश देना चाहते हैं।

(क) सदाचार (ख) मिथ्याचार
(ग) निलंबन (घ) स्वावलंबन

सोपान II. अति लघु प्रश्न- **(2X2=4)**

IV. 'आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।' आशय स्पष्ट कीजिए।

V. ज़िंदगी की दोनों स्थितियों में से कौन-सी उचित है? कारण सहित लिखिए ।

अपठित काव्यांश

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **7**

बाधाएँ आती हैं आएँ
घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,

पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों से हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।

उजियारे में, अंधकार में,
कल कछार में, बीच धार में,
घोर घृणा में, पूत प्यार में,
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में
जीवन के शत-शत आकर्षक
अरमानों को दलना होगा।
कदम मिलकर चलना होगा।

सम्मुख फैला अमर ध्येय पथ
प्रगति चिरंतन कैसा इति अथ
सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ
असफल, सफल समान मनोरथ,
सब कुछ देकर कुछ न माँगते,
पावस बनकर ढलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।

कुश काँटों से सज्जित जीवन,
प्रखर प्यार से वंचित यौवन,
नीरवता से मुखरित मधुवन,
परहित हर्षित अपना तन-मन।।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न- **(3X1=3)**

I. 'सिर पर ज्वालाएँ बरसने से क्या आशय है?

(क) सिर पर आग बरसाना
(ख) सामने कठिनाई होना
(ग) खतरों से खेलना
(घ) सामने आग होना

II. सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ पंक्ति में 'श्लथ' का क्या अर्थ है?

(क) बेहोश
(ख) ऊर्जावान
(ग) थका हुआ
(घ) पसीना

III 'कदम मिलाकर चलना होगा' कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाले कथन है/हैं-

i निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा

ii जीवन के कष्टों से ना घबराना

iii घृणा को सर्वोपरि समझना

(क) केवल (i) (ख) केवल (ii)

(ग) (ii) और (iii) (घ) (i) और (ii)

सोपान II. अति लघु प्रश्न- **(2X2=4)**

IV. कवि ने 'परहित अर्पित अपना तन-मन' क्यों कहा है? अपने विचार प्रकट कीजिए।

V. कवि ने हमें 'पावस' बनने को क्यों कहा है?

(खंड-ख, व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (4X1=4)

I. मॉरीशस की स्वच्छता देखकर मन प्रसन्न हो गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

II. गुरुदेव आराम कुर्सी पर लेटे हुए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे थे। (सरल वाक्य में बदलिए)

III. मैंने उस व्यक्ति को देखा, जो पीड़ा से कराह रहा था। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

IV. जो व्यक्ति परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है। (सरल वाक्य में बदलिए)

V. कश्मीरी गेट के निकल्सन कब्रगाह में उनका ताबूत उतारा गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (4X1=4)

I. बालगोविन भगत प्रभातियाँ गाते थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

II. बीमारी के कारण वह यहाँ न आ सका। (भाववाच्य में बदलिए)

III. माँ के द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

IV. अवनि चाय बना रही है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

V. घायल हंस उड़ न पाया। (भाववाच्य में बदलिए)

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित भाग का पद परिचय दीजिए- (4X1=4)

I. हमारी आधुनिक जीवन-शैली के कारण प्रदूषण और अधिक बढ रहा है।

II. यह पुस्तक तुम्हें बापू के अमूल्य गुणों की जानकारी कराएगी।

III. समीर कहता है कि मैं निलेश की पुस्तकें पढ़ सकता हूँ।

IV. आपको व्याकरण की थोडी-बहुत जानकारी होनी ही चाहिए।

V. राजेश अपना काम स्वयं करता है।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार को पहचान कर उत्तर दीजिए- (4X1=4)

I. गोपी पट-पंकज पावन की रज, जामैं सिर भीजै ।

II. तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा।

III. ज्यौं जल माहैं तेल की गागर, बूँद न ताकी लागी।

IV. पुनि-पुनि मोहि देखाव कुटारू । चहत उड़ावन फूंकि पहारू ।।

V. जिसके अरुण कपोलों की, मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी, निज सुहाग मधुमाया में।

(खंड-ग, पाठयपुस्तक)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (5X1=5)

खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे- साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता ! - कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते ! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते - जो उनके घर से चार कोस दूर पर था एक कबीरपंथी मठ से मतलब ! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते !

I. कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए :

कथन : बालगोबिन भगत साधु प्रकृति के थे ।

कारण : गृहस्थ होते हुए भी निर्मोही जीवन व्यतीत करते थे ।

विकल्प :

(क) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(ख) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन के लिए कारण सही व्याख्या नहीं है।

II. इस गद्यांश में बालगोबिन भगत की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है ?

(क) सत्यवादी, स्पष्टवक्ता, निष्ठावान (ख) सत्यवादी, साहसी, स्पष्टवादी

(ग) निष्ठावान, जिज्ञासु, स्पष्टवादी (घ) कर्मठ, जिज्ञासु, निष्ठावान

III. बालगोबिन कबीर को अपना मानते थे :

(क) भाई (ख) मित्र

(ग) पिता (घ) गुरु

IV. बालगोबिन का कबीर को अपना 'आदर्श' मानने का आधार था, कबीर की :

(क) सत्यप्रियता और मधुर गायन (ख) गृहस्थ होते हुए भी साधु प्रवृति

(ग) स्पष्टवादिता और रूढ़ियों का विरोध (घ) गृहस्थ होते हुए संसार से विरक्ति

V. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गद्यांश के अनुरूप नहीं है ?

(क) बालगोबिन कबीर के आदेशों का पालन करते ।

(ख) बिना अनुमति के किसी की वस्तु नहीं छूते ।

(ग) 'प्रसाद' से ही गुजर-बसर करते ।

(घ) दो-टूक बात करने में संकोच करते ।

8. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(5X1=5)**

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोही ।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।

I. पद्यांश में लक्ष्मण किन्हें संबोधित कर रहे हैं ?

(क) श्रीराम को (ख) राजा जनक को

(ग) परशुराम को (घ) विश्वामित्र को

II. लक्ष्मण ने धनुष टूटने के लिए कौन-से तर्क दिए ?

i. सभी धनुष एक समान हैं। ii. पुराना धनुष टूटने से क्या हानि, क्या लाभ ?

iii. वह तो छूते ही टूट गया । iv. मुनिवर आप इतना क्रोध क्यों कर रहे हो ?

विकल्प :

(क) I, II, IV (ख) I, II, III

(ग) II, III, IV (घ) I, III, IV

III. 'परशुराम ने अपने फरसे की ओर देखा' इसका क्या भाव है ?

(क) उनका फरसा अति सुंदर है। (ख) उनका फरसा उनका सहारा है।

(ग) वैसा फरसा किसी और के पास नहीं है। (घ) वे कमज़ोर नहीं, फरसाधारी वीर हैं।

IV. परशुराम ने लक्ष्मण का वध न करने के लिए क्या तर्क दिया ?

(क) वे बालक का वध नहीं करेंगे ।

(ख) वे मुनि हैं, अतः किसी का वध नहीं करेंगे ।

(ग) वध करने के लिए उनका फरसा अनुपयुक्त है।

(घ) ऐसा उनका स्वभाव ही नहीं है।

V. परशुराम ने अपने परिचय में नहीं कहा :

(क) मैं निरा मुनि नहीं हूँ। (ख) मैं अत्यधिक क्रोधी हूँ।

(ग) मैं बाल ब्रह्मचारी हूँ । (घ) मैं बहुत विद्वान हूँ ।

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **3X2=6**

(क) 'एक कहानी यह भी' से लिया गया 'निहायत असहाय मज़बूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका ।' - यह कथन किसके लिए कहा गया है और क्यों ?

(ख) बिस्मिल्ला खाँ के जीवन में रसूलनबाई और बतूलनबाई का क्या महत्व है ?

(ग) कौसल्यायन जी ने 'संस्कृति' किसे कहा है ?

(घ) हम कैसे कह सकते हैं कि पानवाला कैप्टन का मित्र था ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए ।

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **3X2=6**

(क) उद्धव ने गोपियों को समझाने के लिए कौन-सा उपदेश दिया और गोपियों को वह पसंद क्यों नहीं आया ?

(ख) जयशंकर प्रसाद ने अपनी आत्मकथा न लिखने के क्या कारण गिनवाए हैं ?

(ग) 'मुख्य गायक-गायिकाओं की सफलता उनके संगतकारों पर निर्भर करती है।' स्पष्ट कीजिए ।

(घ) निराला ने फागुन मास के सौंदर्य का वर्णन किया है। आप फागुन में अपने आस-पास के सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- **4X2=8**

(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित बच्चों के खेल अलग थे और वर्तमान काल में अलग हैं। दोनों में भिन्नता का विवरण देते हुए अपने विचार भी लिखिए ।

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में जितेन ने पहाड़ी स्कूली बच्चों के बारे में क्या-क्या बताया ? आपकी दिनचर्या इन बच्चों से कितनी भिन्न है? संक्षेप में लिखिए ।

(ग) अज्ञेय जी ने किसी रचना के लेखन के कौन-कौन से कारण गिनवाए हैं? अपने लेखन के बारे में उन्होंने क्या कहा ? स्पष्ट कीजिए ।

(खंड-घ, रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- **6**

(क) लड़की पढ़े तो घर शिक्षित हो जाए

संकेत-बिंदु -

- आवश्यकता
- घर का शिक्षित होना
- समाज का शिक्षित होना

(ख) खेलें खेल, खेल-भावना से

संकेत-बिंदु

- खेल-भावना
- खेल अनुशासन की पहचान
- खेल वही जो मेल बढ़ाए

(ग) विज्ञान के बढ़ते क़दम

संकेत-बिंदु

- हर तरफ़ विज्ञान का बोलबाला
- सहज जीवन
- वैज्ञानिक उड़ान

13. आप दीप्ति/प्रदीप हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को क्रिकेट प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करवाने हेतु लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए । **5**

अथवा

आप मोहिनी/मोहित हैं। आपकी दादी का नया काव्य-संग्रह 'कुदरत की लय' हाल ही में प्रकाशित हुआ है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए ।

14. आप विवेक/विमला हैं। आपके पड़ोस के विद्यालय में हिन्दी शिक्षक के लिए पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता, एम.ए. (हिन्दी), बी.एड. को धारण करते हैं। उक्त पद के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को आवेदन भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक संक्षिप्त स्ववृत लिखिए। **5**

अथवा

आप दिनेश/सृष्टि हैं। आपके मुहल्ले में पानी की आपूर्ति बाधित है, अतः जल उपलब्ध कराने के लिए जल आपूर्ति-विभाग के अध्यक्ष को लगभग 80 शब्दों में शिकायती ई-मेल लिखिए ।

15. आप रूपेंद्र/रूपा हैं। आप अपनी पुरानी साइकिल बेचना चाहते हैं। उससे संबंधित जानकारी देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए । **4**

अथवा

आप शिक्षा/विदित हैं। अपनी मित्र स्नेहा को बैडमिंटन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए ।